1000/-

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय - उज्जैन

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA - UJJAIN

(मध्यप्रदेश शासन अधिनियम 2006 (15 अगस्त 2008) द्वारा स्थापित)
देवासमार्ग, उज्जैन, मध्यप्रदेश – 456010
E-mail-regpsvvmp@rediffmail.com, Website– www.mpsvvujjain.org

शोध केन्द्र मान्यता आवेदन-पत्र

भाग – 1

(1) समिति/न्यास का नाम .....

(2) स्थान एवं पता .....

(3) स्थापना वर्ष .....

(4) संस्थापक समिति/न्यास का नाम .....

(5) समिति/न्यास के पंजीकरण का दिनांक एवं क्रमांक.....

(पंजीयन पत्र की छाया प्रति संलग्न करें)

(6) समिति/न्यास किस अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत है.....

(7) समिति/न्यास के पदाधिकारियों का विवरण :-

क्रमांक	नाम	पद	पता एवं व्यवसाय	चयन/नामांकन की तिथि
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				

(8) वर्तमान शासी निकाय (Governing Body) के गठन की तिथि ...../...../.....

(9) शासी निकाय (Governing Body) द्वारा शोध केन्द्र स्थापित करने हेतु पारित प्रस्ताव का विवरण (छायाप्रति सहित)।

(10) भौतिक निरीक्षण शुल्क रु.....डी.डी./एन.ई.एफ.टी./आर.टी.जी.एस. क्र. .....

(11) समिति/न्यास द्वारा शैक्षणिक संस्था/शाला/अन्य संचालित सामाजिक कार्यों का विवरण-

विवरण पत्र संलग्न करें

(12) शोध केन्द्र को निम्नलिखित विषयों में मान्यता अपेक्षित है-

क्र.	विषय	रिमार्क
1	वेद	
2	व्याकरण	
3	ज्योतिष	
4	संस्कृत तथा संस्कृत साहित्य	
5		
6		

(13) शोध केन्द्र भवन का विवरण (मानचित्र सहित) :-

विवरण

क्र.	कक्ष	संख्या	क्षेत्रफल	क्षमता	अन्य विवरण
1.	शोधकेंद्र कार्यालय कक्ष				
2.	व्याख्यान कक्ष (न्यूनतम दो)				
3.	प्रयोगशालाएँ – प्रायोगिक विषय के लिए				
4.	प्रसाधन				
5.					
6.					
7.					

(यदि अन्य कक्ष उपलब्ध हों तो जानकारी देवें)

(14) भवन निजी है अथवा किराये पर.....

- **शोधकेन्द्र का परिसर/भवन पूर्णतः स्वतन्त्र होना चाहिए।**

(15) यदि विश्वविद्यालय द्वारा केन्द्र की मान्यता दी जाती है तो केन्द्र संचालक/शिक्षकों की व्यवस्था का विवरण

(16) शोध केन्द्र में फर्नीचर/कम्प्यूटर/प्रयोगशाला उपकरणों का विवरण –

(17) ग्रंथालय -

(विषयवार सन्दर्भ ग्रंथों की संख्या)

क्र.	**विषय**	**सन्दर्भ एवं शोध ग्रन्थ**	**रिमार्क**

(18) समिति/न्यास की वित्तीय स्थिति का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया जाय-

आय .....

व्यय .....

क्या शोध केन्द्र का लेखा प्रतिवर्ष परीक्षित कराया जाता है ? .....

(पिछले लेखा परीक्षा की रिपोर्ट की प्रतिलिपि संलग्न की जाय)

नोट- शोध केन्द्र द्वारा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की मान्यता हेतु पृथक से आवेदन-पत्र पृथक शुल्क के साथ प्रेषित करना होगा।

घोषणापत्र

मैं .....पुत्र/पुत्री .....
शपथपूर्वक घोषित करता/करती हूँ कि आवेदन पत्र में प्रदत्त जानकारी पूर्णतः सत्य है तथा आवश्यक दस्तावेज संलग्न किये गये हैं-

I. केन्द्र की मान्यता प्राप्त होने पर केन्द्र का संचालन महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के नियम एवं निर्देशानुसार किया जावेगा।
II. मान्यता प्राप्त होने के पश्चात यदि केन्द्र बन्द किया जाना हो तो पूर्व में ही महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन को सूचना प्रेषित की जावेगी।
III. केन्द्र संचालन में कोई विसंगति होने पर महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन का निर्णय बाध्यकारी होगा।

हस्ताक्षर

स्थान.....

दिनांक.....

घोषणाकर्ता का नाम.....

पद एवं मुद्रा.....

स्थान	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर अध्यक्ष
दिनांक	शोध केन्द्र निदेशक	समिति/न्यास
	पदमुद्रा	पदमुद्रा

भाग (दो)

(निरीक्षण समिति के उपयोग के लिए)

(1) निरीक्षण समिति का विस्तृत प्रतिवेदन :-

.....

.....

.....

.....

भाग (तीन)

(1) निरीक्षण समिति की संस्तुति :

.....

.....

.....

(2) शोध केन्द्र को शर्तो की पूर्ति किए जाने की स्थिति में निम्न विषय सञ्चालन की मान्यता प्रदान किये जाने के अनुशंसा की जानी है-

क्र.	विषय	रिमार्क

निरीक्षण समिति के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम पद एवं पते

अध्यक्ष .....

.....

.....

सदस्य (1) .....

.....

.....

(2) .....

.....

.....

स्थान- .....

दिनांक -...../……/…….

(1) हस्ताक्षर अध्यक्ष

(2) हस्ताक्षर सदस्य

(3) हस्ताक्षर सदस्य

भाग (चार)

विद्या परिषद द्वारा की गई कार्यवाही

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कार्यपरिषद द्वारा पुष्टि

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शोध केन्द्र को भेजे गए पत्र का विवरण

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कुलसचिव